हमने आलू प्रसंस्करण की इकाई स्थापित की है, उसी तर्ज पर सरकार में आने के बाद हम आलू प्रसंस्करण की इकाई स्थापित करेंगे।

उपसभाध्यक्ष जी, आलू की लागत 1,600 रुपए प्रति क्विंटल आती है और पिछली बार उत्तर प्रदेश की सरकार ने जो खरीद घोषित की, वह 459 रुपए प्रति क्विंटल की थी। इससे ज्यादा मजाक और दूसरा कोई हो नहीं सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि आलू को उद्यान में शामिल किया जाता है, जिसको हटाकर कृषि में शामिल किया जाए। उपसभाध्यक्ष जी, चीन में आलू बोर्ड है और चीन यह पहले से समझ लेता है कि कितने एकड़ में आलू की बुआई हुई है, तो देश में कितना उत्पादन होगा, कितनी खपत होगी और कितना आलू खराब होगा, यह पता चल जाता है। वहां सड़े आलू का भी इस्तेमाल होता है और वह सड़ा-गला आलू, आलू प्रसंस्करण में चला जाता है। महोदय, यह भी बहुत जरूरी है कि इसी तरह का बोर्ड हमारे देश में भी बनना चाहिए।

उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपके मार्फत यह बताना चाहूँगा कि किसानों को उच्च गुणवत्ता का बीज नहीं मिलता। हमारे देश में अनुसंधान की जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह अनुसंधान की व्यवस्था नहीं है। आलू उत्पादन में हिंदुस्तान का तीसरा स्थान है। मैं आपके मार्फत यह निवेदन करना चाहूँगा कि आलू किसान आलू का जो उत्पादन करता है, उसमें किसान केवल 65 प्रतिशत ही अपनी फसल का मूल्य ले पाता है।

हमारे देश में 35 फीसदी आलू सड़ जाता है। इसलिए मेरा भारत सरकार से यह अनुरोध है कि आलू को बागवानी से हटाकर खाद्य में शामिल किया जाए, कृषि में शामिल किया जाए। हमारे देश में उच्च गुणवत्ता का बीज उपलब्ध हो, जिससे निर्यात हो सके। आलू अनुसंधान केंद्र खोले जाएं और चीन की तरह हमारे देश में भी आलू बोर्ड बनाया जाए तथा आलू प्रसंस्करण की व्यवस्था की जाए, धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Ramji Lal Suman: Shri Javed Ali Khan (Uttar Pradesh), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Haris Beeran (Kerala) and Dr. Fauzia Khan (Maharashtra).

Demand to include the Musi River in Hyderabad as part of the country's major river rejuvenation project

SHRI ANIL KUMAR YADAV MANDADI (Telangana): Mr. Vice-Chairman, Sir, I thank you for allowing me to speak on demand to include the Musi River in Hyderabad, Telangana under the Central Government Scheme for Rejuvenation of Major Rivers in the Country.

सर, मूसी नदी, जिसे मुचकुंडा के नाम से भी जाना जाता है, जिसका इतिहास सदियों पुराना है, विकाराबाद के अनंतगिरी के पहाड़ों से शुरू होकर यह नदी हैदराबाद के दिल से गुज़रते हुए, नलगोंडा के मिर्यालगुडा में कृष्णा नदी में मिलती है।

महोदय, मूसी नदी सदियों पुरानी नदी है, जिसके तट पर हैदराबाद शहर का निर्माण किया गया था। हैदराबाद का ऐतिहासिक चारमीनार भी इसी मूसी नदी के प्रांत में निर्मित किया गया है। आज से कई साल पहले मूसी नदी के द्वारा हैदराबाद शहर के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की जाती थी, कई हज़ार एकड़ भूमि पर किसान खेती बाड़ी करते थे और हमारे मछुआरे भाई भी इसी नदी से अपनी रोज़ी-रोटी कमाते थे। आज मूसी नदी की स्थिति यह है कि हैदराबाद शहर का जो सारा कचड़ा है और जो इंडस्ट्रियल केमिकल वाटर है, वह इसी मूसी नदी में डाला जा रहा है, जिसके कारण मूसी नदी आज एक नाले में तब्दील हो गई है। आज मूसी नदी के आसपास जितनी भी छोटी बस्तियां हैं, वहां जो लोग रहते हैं, वे इस मूसी नदी के कारण हर साल बीमार हो रहे हैं। आज जिस तरह से मूसी नदी का जो हाल हुआ है, कहीं न कहीं पिछली सरकारों ने लापरवाही की है, जिसके चलते मूसी नदी एक बड़े नाले के रूप में हैदराबाद में तब्दील की गई है। आज कांग्रेस की सरकार, हमारे मुख्य मंत्री रेवंत रेड्डी जी बार-बार केंद्र सरकार से मांग कर रहे हैं कि मूसी नदी के लिए फंड allocate किया जाए, ताकि मूसी नदी को दोबारा पुनर्जीवित किया जा सके। कई बार रिप्रेज़ेंटेशन देने के बावजूद भी केंद्र सरकार से किसी तरह का भी समर्थन हमारी सरकार को नहीं मिल रहा है। जिस वजह से मूसी नदी को डेवलप करने का कोई मौका नहीं मिल रहा है। जब भी वहां मूसी नदी के डेवलपमेंट की बात की जाती है, तब बीजेपी के लोग प्रोटेस्ट करने के लिए सामने आकर खड़े हो जाते हैं। जब हैदराबाद में इलेक्शंस होते हैं, तो बीजेपी के सारे बड़े नेता वहां आकर प्रचार करते हैं, लेकिन एक भी नेता वहां मूसी नदी के बारे में बात नहीं करता है। जो मूसी नदी हैदराबाद का दिल और हैदराबाद की रोज़ीरोटी का ज़रिया थी, उसके लिए आज हमारी मांग है कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द मूसी नदी को जल्द से जल्द बजट के द्वारा ...

उपसभाध्यक्ष (श्री घनश्याम तिवाड़ी) : माननीय सदस्य, आपका बोलने का समय समाप्त हो गया है।

The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Anil Kumar Yadav Mandadi: Shri Mallikarjun Kharge (Karnataka), Shri Pramod Tiwari (Rajasthan), Dr. Syed Naseer Hussain (Karnataka), Shri Imran Pratapgarhi (Maharashtra), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shrimati Rajani Ashokrao Patil (Maharashtra), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Meda Raghunadha Reddy (Andhra Pradesh), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shri Shaktisinh Gohil (Gujarat), Shri Chandrakant Handore (Maharashtra) and Dr. Sasmit Patra (Odisha). श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया।